International Journal of Research
Available at
http://internationaljournalofresearch.org

p-ISSN: 2348-6848
e-ISSN: 2348-795X

Volume 02 Issue 02
February 2015

ਸੂਫੀ ਕਾਵਿ ਧਾਰਾ ਨੂੰ ਅੱਗੇ ਵਧਾਉਣ ਵਿੱਚ – ਸੁਲਤਾਨ ਬਾਹੂ ਦਾ ਯੋਗਦਾਨ''

ਅਨੀਲ ਕੁਮਾਰ'

ृक्ष्इ ठाइ ृध्इ की चिरचइेाए दूइ ठाइ जयइ की`इच देध रमीमे कध ठाइ ठिमछेा का ठिंगा यचृग यमहिे मवठ की दळिइाथ ृाठज ृठ र्जिन थ्ख्वक्ष`श्रऋ रध देध दलीव`म वरध्ती ण र्यन कध यालिदो ज्ख्हव्रे ज्ख्य् पीजठ र्जिन नविेावम मवठ कध ज्ख्कध्थ ठाइ याग्ठा मवठ जाइध जिदमेींदज्ञ ् यक्षबी दवमे //दरिइ.श्रध.र्मरुरु मिरा पज्ञका रध ण यक्षबीजाक कध तष्वज ् यर्हथ्छ मवठ इश्री ृख्यइ्ाठ जिकजाठज्ञ ठध दठध्म तुम इिलध रठण श्रिठफज्ञ याविदज्ञ का ठा ृ श्रिय म्ज्ञ इिलका दाजथ्म ठरीऋ ण र्किइी कध श्रिम हुर्यिग जिकजाठ थ्ध्ल दचकक्ष्इ र्म ृख्र्किय का जिनाव श्रिय हुमाव रधए //यक्षबीजाक का श्रिइ ृ दर्दि्रे ज्र्खृए दर्ि थ्क्ष्लृ देध दर्ि त्रळीव रध पियका दागव मख्वाठ देध यख्र्ठे रधणरुरु रद्ववे पक्ष्इध्क बवृाज्ख्ऋकध रठए //ठीइ ततठ कध रध्उज्ञ पध मश्श्री रश्व श्रिइ ृ यक्षबीजाक`श्रऋ न्रतध्वा रख्का`ज्ञ दयीऋ ज्ख्यकी हुाहेंी का पेठ मवमध णरुरु

इबद्व /यक्षबीरु की जिज्ख्ऋेहेंी चावध जिकजाठज्ञ देध लश्पीदज्ञ कध जिनावज्ञ र्जिन माबी बवम रधण //दइी रख्पजीवीरुरु ठध इिलिदा रध मि इश्मज्ञ ठध श्रिय इबद्व की लश्प कध य्रकवळ जिन चरखे मख्ड मिरा रध देध मिेाचज्ञ जी इिलीदज्ञ रठ पिय`श्रऋ श्रिर यहथ्छ रध मि श्रिर जिथ माबी त्रळीव रधण माइमु दठख्याव श्रिठफज्ञ चरियज्ञ जिन जाग रख्का तिदा हव्रेक्ष श्रिर मरिका ृख्थ्मइ रध मि यावी नवना कध जिथ्इध्थ्क ज्ख्हव्रे मश्श्री श्रिम यवजयजीमिु हविजाय हुाहे मीेा पा यमका रध ण जिकजाठज्ञ ठध श्रिय इबद्व की जिज्खेहेंी य्रचृगी पिरटध े हुतछ मीध रठ य्रलध्ह जिन ज्ख्ठफज्ञ का जध्वजा र्किा पज्ञका रधस श्रिर मम्ठ मि यक्षबी //यबारुरुए //यबजरुरु नश्ऋ ठिमइिदा रध मश्थ दठख्याव उीम ठरीऋ रध ण थाचकिम चवेव कध हलश्ऋ श्रिय जिन श्रिर तर्इी रध मि //यबारुरु`श्रऋ यक्षबी की चपाश्रि //यबजीरुरु देध //यबजरुरु `श्रऋ पिरटा थ्चक जिदामवक दठख्याव उीम चक्ध्ता ज्ख्र //यबजीरुरु रश्जध्ता ठा मि यक्षबी ण श्रिय हुमाव पध दयीऋ श्रिय यळ र्ज्हध जिनाव मवीश्रध मि यक्षबी का थ्चक //यबरुरु`श्रऋ ठिमइिदा रध मिज्ख्ऋ पश दइार कध कवचाव जिन यक्षबी दाहकध यचव देध य्रेश्ल कध मावठ हरिइी हते ;यबद्ध जिन तिक्ध

---

*. ਸਹਾਇਕ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ, ਸਰਕਾਰੀ ਕਾਲਜ, ਸਫੀਦੋਂ (ਜੀਂਦ)

पाक्तध्र श्रिय इश्री मि ज्ख्ठफझ ठध्र ग्र्यािवम ूश्र ूाश्रिदा ॣ र्दिात मध्र मध्जइ श्रिम र्दइार की चृकती का ूावत तुरिक मीा`झ श्रिर थचकिम चवेव जी मश्थ् दठख्याव तइे रध्र मि ज्ख्ऋपश /यबरु ॣ क्षइ ूि मध्र ज्ख्य`श्ऋ र्दतध्र पिरटा थचक चक्धता ज्ख्र //यबीरुरु रश्जध्ता ठा मि यक्षबी ण श्रिम कि्ुथ्छीमश्क श्रिर रध्र मि यक्षबी का यचृग //यर्खबारु कध्र ठाइ रध्रण हध्व्रचव यारिच कध्र पीजठ माइ जिन मख्ड जिदर्मी ग्वू.याग्ठा ॣ ठिवजिगठ वक्षह जिन ठिळाज्ख्क इश्री ूर्यी कध्र नचक्षेवध्र ;र्यख्बाद्ध ज्ख्हव री ठिजाय मवकध्र यठण //यर्खबारुरु ूक्षइ ूि मध्र ज्ख्य`श्ऋ ग्रचृग्मी थचक यक्षबी ठरीऋ ण //यर्खबीरुरु चक्धताण ज्ख्मे यावी नवना ूतवश्ऋ श्रिर मिरा पा यमका रध्र मि यक्षबी श्रिम इमच ;जिथ्ध्थ्वी ठाूद्ध रध्र पियकध्र हुनइिे रश्क का मावठ थश्रिक श्रिर रध्र मि यक्षबी कवजध्थ् यक्षब कध्र जयेव श्रियेधूाइ मवकध्र यठ श्रिय इश्री ज्ख्ठफझ का ठाू यक्षबी हध्र तिदा ण चरखे यावध्र ूराठ यक्षबी जिकजाठ श्रिय जिनाव ठाइ यरिू रठ पियका यूवम्ठ तध्व.यक्षबी जिकजाठझ ठध्र जी मीा रध्र ण

यक्षबी ू र्यिल ग्वू`श्ऋ हप यकीदझ हरिइझ रश्ऋक जिन दा नर्खमा यी ण ग्र्याव कध्र यावध्र हुर्खल ठजीठ दग्दिाेूम ूझ र्जिन यक्षबी ू कध्र ूठर्खलझ हुी यख्रिकव ू जिकूाठ रठण हपाची यारिे का श्रिरिाय यक्षबी.माजि चिठझ ग्रहख्वठ ठरीऋ रश यमकाए मिज्ख्ऋमि श्रिर हपाची यारिे कध्र 800 याइझ जिन जिनावगवम हुर्खलेा ठाइ हर्यविदा रश्रिदा रध्रण ळाजध्ऋ हपाच र्जिन यक्षबीू की यमहठा 1036 श्री जिन दइीज्ख्इ रख्प जीव ;कोा त्रप चलथ्द्ध ठध्र इारष्व हुजध्थ् मवमध्र मीी हव यक्षबी.माजि यळ`श्ऋ हरिइझ चाचा बवीक कख्दावा इिलिदा तिदा ण ज्ख्हवे्र थर रख्यघ्ठ ;1538 श्री . 1599 श्रीद्ध ठध्र यक्षबी माजिगवा ॣ हुचइेा ठाइ हध्थ् मीा ण यक्षबी यारिे कध्र वनठामावझ जिन ीपा ठाू यख्इेाठ चारक्ष ;1631श्रीस् . 1691 श्रीस्द्ध पा का दाज्ख्ऋका रध्रण थर थ्वब चछाइजी ;1640.1724 श्रीस्द्ध जी चारक्ष का यूमाइी यक्षबी ग्रे यी हव यक्षबी ू ॣ ग्रपीकती ठाइ चाचा बवीक पी देध्र थर रख्यघ्इ`श्ऋ हिैश्ऋ यख्इेाठ चारक्ष पी ठध्र री मजिेा वारीऋ हध्थ् मीा ण

यख्इेाठ चारक्ष का पठू ;1631 श्रीस् जिन डत पिइफध्र कध्र हिअ दजाक जिन रश्रिदा ण दाह कध्र हिा का ठझ चाद्दीक ूख्रूक यीण ूर्खअइी जिकिदा ूेा हायश्ऋ हुाहे मीी देध्र चादक जिन रद्दवे रची चख्इा माकवी कध्र नध्इध्र चक तश्रध्र ण दाह दवचीए बावयी कध्र न्रतध्र जिकजाठ यठ देध्र बावयी जावेम जिन दाह ठध्र 40 कध्र मवीच हख्येमझ

इिलीदज्ञए पिठफज्ञ जिन यक्?ी यिग्ज्ञेज्ञ की जिदालिदा मींी रघ्ण हपाची जिन दाह कीदज्ञ माबीदज्ञ `ध यीरवबीदज्ञ चटीदज्ञ हुर्यिग रठण दाह की वनठा की रव `ख्म कध दलीव `ध /रक्षरु दाज्ख्ऋका रघ्ए पिय ठाइ मजिोा जिन श्रिम य्रतीम इध दा पज्ञकी रध ण श्रियध /रक्षरु की वनठा ठाइ री चारक्ष की मजिोा रश्व मजीदज्ञ ठाइश्ऋ ठिलध्टी पा यमकी रध ण

चारक्ष पी का यूज्ञ 1631 श्रीस `श्ऋ 1691 श्रीस ृठिदा पज्ञका रघ्ण श्रिय जध्इध हपाच जिन वापठीम `यजीव मख्ड श्रध्कज्ञ की यी स

ृख्तइ यूवाछ थर पराठ 1628 श्रीस ` `` जर्ख्ध चघ्उा यी पिय ` दा,वी र्य याइ दाहक्ध चध्छध दष्व्रतपध्च की मध्क जिन र्मछक्ध हश्रध यठ ण दष्व्रतपध्च का वाप माइ 1658 श्रीस `श्ऋ 1707श्रीस रघ्ण चारक्ष पी कध यूध्ऋ जिन र्यिलज्ञ कध `ध्जध्ऋ तख्वक्ष युी तख्वक्ष रवतश्चिक ग्रिगए र्य जध्ऋए र्दउजध्ऋए ठष्जध्ऋ तख्वक्ष देध युी तख्वक्ष तश्चिक ग्रिग पी तख्वर्तकी जर्ख्ध चिवापूाठ वरध्ण युी रव तश्चिक ग्रिग पी 1675 श्रीस ` तख्वक्ष र्तकी जर्ख्ध चघ्उध्ण रूाठि युी तख्वक्ष तश्चिक ग्रिग पी देध यख्इेाइ चारक्ष यूमाइी रश्रध रठ `ध श्रिर यूज्ञ र्गछश.र्गछ 15 याइ चक्का रध ण

श्रिर यूज्ञ ृख्तइ माइ का द्ेइा यूज्ञ यी देध ळावे कध श्रिरिाय जिन `माइी हपाच का जिथ्ध्थ यमठ यी ण ृख्ल `ष्व जर्ख्ध श्रिर माइ तख्वक्ष यारिचाठज्ञ देध ृख्तइज्ञ कध दालवी यूवाछज्ञ का यीण चाकथर परज्ञतीव का कध्रज्ञे 1628 र्जिन पिइफा तख्पवो हपाच जिन रश्रिदा यी ण जख्य ` इारष्व जिन कबठ मींा तिदा पश मि हपाच की वापगठी यी ण चध्तू ठक्ष्व परज्ञ जी द्ेइध किठीऋ हपाच जिन 1646 श्रीस `म वरी ण परज्ञतीव का पजाश्री थरिव रूाव श्रध्यध माइ र्जिन री पिरइू हाव मवमध बष्पज्ञ यक्ध इारष्व हर्ख्पा `ध ठक्ष्व परज्ञ की थरि जर्ख्ध चाकथर चक चघ्उा यीण श्रिरठी किठीऋ री थरपाका लख्यवश कध हर्ख्व कजाव च,थ ` दाय? लज्ञ `ध श्रिवाके लज्ञ र्जइश्ऋ चाकथर रश्क का दध्इाठ मव र्किा तिदा यी ण मिरा पज्ञका रध मि चइामी हातइ यी ण श्रिय ` चाकथर श्रिय इश्री चक्श्रिदा तिदा यी `ज्ञ मि ठक्ष्वपरज्ञ की नाइ ` र्मछिदा पा यमध ण इारष्व जिन पश श्रिरठीऋ किठीऋ हपाच कध र्लिध का मध्ऋकव यी ण र्जअी वापयी जख्म्इ.हख्म्इ रश वरी यीण 4 बवजवी 1628 श्रीस ` कजाव चलथ ` मध्क मवमध जख्य कीदज्ञ र्दलज्ञ र्मल र्किीदज्ञ तश्रीदज्ञ देध थर पराठ चाकथर चक तिदा ण श्रिय जमे र्तकीदज्ञ कध कादजध्काव यमध ळावाजज्ञ कध लक्ष्ठ जिन ठरा वरध यठण

थार पराठ कद रखमू ठाइ काठिदाइए हवजध्प`द ूख्वाक कद हर्ख्वज्ञ ‚ इारष्व थरिव र्जिन दाू पठेा कद यारूक्द बज्ञयी ज्र्ख्द इछमा र्कि ा तिदा यी`द ज्खरठज्ञ कद ग्ट`ज्ञ इारष्व जिन री कबठ मीद तश्रद हव यिव थार पराठ कीूत ज्र्ख्द दातवद ळध्पद तश्रद यठण पिय याइ ूख्इेाठ चारक्ष प्रूदिा यीए ज्ख्यद याइ थार पराठ इद //थार पराठचाकरुरु कद ठाू रध्उ ठजीऋ र्किइी जयारी ण श्रियद ठजध्ऋ थरिव जायेद 40 ूइ`श्ऋ ठरिव इिदज्ञकी तश्री ण`ाप ूर्इ जी श्रध्यद माइ जिन चकाश्रिदा तिदा ण

1657 श्रीस् र्जिन थार पराठ चीूाव हिदा`ज्ञ ज्ख्य की र्तकी ूइक जायेद ज्ख्यकद हर्ख्वज्ञ जिन लक्ष्ठी प्रत थ्ख्वक्ष रश तश्री ण श्रिर कष्व थापियज्ञए मेइज्ञ देद र्हिउज्ञ जिन ैख्वद लश्ळक का यी ण दष्व्रतपध्च इद 1658 श्रीस् ‚ ळावे की चाकथरे ज्खेद मचपा मव इिदा ण ज्ख्य ठद ळवाजज्ञ ‚ मेइ मव र्कि ा देद चीूाव हिा ‚ मध्क मव मद माइ मश्उटी र्जिन यर्ख्छ र्कि ा ण र्पिम्द ज्खर यख्इेाठ चारक्ष कद माइ जिन रूाठि 1666 श्रीस् ‚ माइ मश्उटी जिन रीूषे ठाइ गख्इ.गख्इ मदूव तिदा ण दष्व्रतपध्च ठद र्तकी`द चश्रिकिदज्ञ री र्मछट ठीी दहकाश्री ण श्रिकक्ष्दज्ञ ‚ इाइन देद यवमावी कचा रध्उ पचवीूख्यइूाठ ूपरच गवठ मवठ इश्री ूद्वचक्ष्व मीा तिदा ण ज्ख्यठद यावद ळावे र्जिन श्रिकक्ष य्रयमिंु ी की जिवाये ‚`चार मवठ इश्री पख्इू लरख्कद दाव्रळ मव र्कि द ण

दष्व्रतपध्च ठद ळावें ी य्रयमिंु ी ‚`चार मवठ इश्री मश्री रखमू पावी मीद ण ज्ख्यठद पर्शि्ट ठाइ य्रच्रगि रव`वफज्ञ की यवतवूी च्रक मवजा र्कि ी ण मजिा पश ळावे की ूार्कू ी थ्ध्इी यीए जी च्रक मवजाश्री तश्री ण वापकवचावी मजी जी रछा र्कि द तश्रध्ण मजीदज्ञ कीदज्ञ लाठ हध्ठथ्ठज्ञ देद जपीबद च्रक मव र्कि द तश्रद ण श्रिय`वज्ञ रपवे यख्इेाठ चारक्ष ठद दाहकी ज्खूव र्जिन ज्ख्य येावजीऋ यकी का ळिदाठम निरवा जधलिदा ण यख्इेाठ चारक्ष कद यूध्ऋ जिन प्रतज्ञ का मध्ऋकव चरखेा मवमद र्कलक र्जइ री विरा ण हरिइज्ञ इारष्व देद श्रियका दाइा कख्दाइा थद्विथ्ज्ञ`द प्रतज्ञ का मध्ऋकव यी ण हव चारक्ष कद यूध्ऋ दाू मवमद इपाच जिन थ्ज्ञों वरी ळाजध्ऋ मि श्रिर चारवश्ऋ कियकी देद`ख्बाठ`श्ऋ हरिइज्ञ जवती लइर्शी रजज्ञ जज्ञत यी ण

यख्इेाठ चारक्ष कीदज्ञ इपाची यीरवबीदज्ञ इपाची मजिा कद रीवद देद ूर्शी रठण श्रिरठज्ञ कद हाउ का दयव किइ`ीम पामद हुहाज हाज्खऋका रद ण रव यीरवबी माइ र्जय

ठरीॠ यतश्ॠ यकीजी हुळाज यिवपकी रद्द देद्द श्रिरिाय `श्ॠ कक्ष्व हवद्द हवध्वद्द दयव जाइी देद्द यवच जिदाही रद्दण यक्ष्बी ू कद्द हुनइे हुळाजज्ञ का दठख्मवक देद्द दठख्यवक चारक्ष की मजिेा का तख्क चव पज्ञका रद्द ण चारक्ष पी की मजिेा र्जिन मजिेा कद्द दूव देद्द यवजळष्मि ीठिद्द तख्क रूाठि यिजूए यद्रिू देद्द यख्कवू जिकूाठ रठण श्रिय मजिेा जिन श्रिर ीठिद्द तख्क इश्ॠटीकी ठियचे र्जिन दाश्रद्द रठण मजी का यळ `श्ॠ हरिइा मावप देद्द बवद्व र्यन ॖ हुतछ मवठा रद्द हव पध्मव र्यन ॖ यख्कव देद्द मश्ि ळवहक्ष्व चवा मद्द हद्द ठा मीा पाजद्द `ज्ञ ज्ख्र यजीमाविदा ठरीॠ पा यमकी ण चारक्ष पी कद्द चद्देज्ञ पज्ञ थीरवबीदज्ञ काू देद्द यख्कवेा ज्र्यन कवपद्द कद्द रठण रव चद्ध्रॠे र्जिन र्यन पध्मव लख्थ्चक्ष रद्द `ज्ञ यख्कवेा बर्खइ जज्ञत हद्द रश्री रद्दण हद्दमावी की यख्कवेा चारक्ष पी कद्द र्यन ॖ यकीजीॠ `द्द दूव चवाज्ख्ॠकी रद्दण मजिेा का ीपा तख्क मइिदाक्मावी रश्वा रख्का रद्दण पध्मव र्यन जी रापव रश्जद्दए र्यन ॖ यख्कव थ्चकज्ञ देद्द थमइ जिन हद्द जी मीा तिदा रश्जद्द हव पध्मव ज्ख्र र्यन ूठर्खलेा कद्द ळइद्द इश्री देद्द पीजठ इश्री मइिदाक्मावी ठरीॠ रश्जध्ता `ज्ञ ज्ख्र मियद्द म्रू ूठर्खलेा कद्द ळइद्द इश्री देद्द पीजठ इश्री मइिदाक्मावी ठरीॠ रश्जध्ता `ज्ञ ज्ख्र मियद्द म्रू का ठरीॠ ण चारक्ष पी कद्द रव चद्ध्रॠे की रव येव ूठर्खली पीजठ थ्द्दइी ॖ यख्लाइिदज्ञ चवाज्ख्वए ज्ख्य कद्द ळवू `श्टक देद्द पीजठ ॖ यरिप दजयम हुकाठ मवठ रिॅ मवूथीइ रद्द ण

चारक्ष पी कीदज्ञ यीरव?ीदज्ञ जयेक्ष `श्ॠ दोूा र्जइ देद्द र्किल `श्ॠ दर्किल जइ का य?व मवकीदज्ञ रठण दोूजाकी न्रिम यख्रप का दागव कध्लक जाइी र्दल पज्ञ ज्ख्यकद्दूक्ष्इ की दजयम ॖ ूठकद्द रठण पश्मि चारक्ष पी की मजिेा का ूीवी तख्क रद्दण ज्ख्रठज्ञ की मजिेा र्जिन यख्रप का ठिवगवक जयेक्ष कद्द दाहक्द्द यख्रपोूम तख्कज्ञ कद्द दागव ज्र्खद्द री रख्का रद्दण पिठफज्ञ र्जिन मुूए जिजयमए दठख्होए श्रध्मेा यख्ूद्दइ ग्रतउठ वक्ष्ह दाकि तख्क यरिप ठाइ हुतछ रख्कद्द रठण श्रिम्द्द श्रिठफज्ञ का हरिइा री चद्ध्रॠे हटफठ रूश्त रद्द पिय र्जिन ज्ख्मे तख्कज्ञ का यरिप हक्ष्वठ यख्रप ठाइ हुतछ रख्का रद्दण ज्ख्र बवूाज्ख्ॠकद्द रठ स्

दइिब र्दइा न्रचद्द की चक्ष्छी
ूध्वद्दूठ र्जिन ूख्वथ्क इाश्री रक्ष
रव पा चक्ष्छी ूख्थ्म ूनाश्रिदा
पज्ञ बर्खइक `द्द दाश्री रक्ष ण

श्रिम्ह चारक्ष पी ठध्र हुॅमोेमा का हुरूश्त मवकिदज्ञ न्रचध्की चक्षछी वक्षह र्जिन हुळक्ष कध्र हिदाव की `ज्ञत पताश्री रध्ण चारक्ष पी ठध्र ूख्वथ्क का यमठ यळ `श्क्ष ज्र्इना र्कयिदा रध्र मिज्ख्क्षमि श्रिम न्रता तख्वक्ष री दाहक्ध्र थ्ीथ् कध्र द्रकव न्रतध्र तख्व चक्षछी की `वफज्ञ इताज्ख्क्षका रध्र `ध्र ज्ख्य ॅ न्रतध्र मवूज्ञ र्जइ पश्टका रध्र ण तख्वक्ष कध्र यमठ ॅ यजज्ख्नका हुकाठ मौंी तश्री रध्ण पिय कध्र मावठ ज्ख्य हुोूा `म का वयेा ड्डिका रध्र ण

हुोूा ठाइ पख्टठ इश्री ूठर्ख्ल हेा ठरीक्ष मी.मी मवका रध्ण हव र्यना तख्वक्ष पध्मव ड्डि पाजध्र `ज्ञ ज्ख्य हुोूा ॅ किइ ;रिवकध्द्ध वक्षही जध्टध्र र्जिन जयाश्रिदा पा यमका रध्ण चारक्ष पी ठध्र जी दाहकी यीरवछी र्जिन श्रिरश री मख्ड मिरा मि पध्मव श्रिठयाठ हुोूा ॅ हुाहे मवठा नारख्का रध्र `ज्ञ ज्ख्य ॅ दाहक्ध्र रिवकध्र द्रकव पतफा कध्क इश्री दाहक्ध्र `ठ ूठ देध्र किइ द्रकव जिथ्ध्थ् पतफा चक्ाज्ख्वी हजध्ता `ज्ञ मि ज्ख्य हवूोूा ॅ रिवकध्र द्रकव जया यमीश्रध्र देध्र पकश्क्ष हवूोूा किइ द्रकव जय पाजध्ता `ज्ञ ज्ख्कश्क्ष श्रिम `र्यइी किइ ॅ हुाहे रश्जध्ती पिजध्क्ष मि स्

`ठ ूठ रूाव ूध्क्ष थ्रिव चक्ाश्रिदा

किइ जिन लाय ूख्र्इा रक्ष

दाक्ष दाइि? किइ र्जयश्क्ष मौंी

ूध्वी लक्ष्च रश्री `र्यइा रक्ष

यळ मख्ड ूध्र हिदा यख्वी जध्र

पश पश्इध्र यश र्दइा रक्ष

हुोूा ॅ हुाहे मवठ इश्री श्रिठयाठ चरखे `वफज्ञ कध्र ज्ख्हवाइध्र मवका रध्र ण मकध्र ज्ख्र यश्नका रध्र मि हुळक्ष `ज्ञ प्रतइज्ञ.चध्इिदज्ञ र्जिन पा मध्र ड्डि यमका देध्र ज्ख्र श्रिर यश्न चक्ा इध्क्षका रध्र जाइ जगज्ख्व ठाइ ज्ख्य की हुाहेंा रश यमकी रध्ण मकध्र ज्ख्र मश्री `वफज्ञ कध्र ीवम्ज्ञ `ध्र पा मध्र श्रियठाठ मवका रध्र हव चारक्ष पी श्रिठफज्ञ यावध्र ळख्इध्लिदज्ञ ॅ र्मल्कध्र रश्रध्र देध्र श्रिठयाठ ॅ हवूोूा की हुाहेंा का यरी ूावत र्कयकध्र जिरइध्र जरिूज्ञ ळवूज्ञ र्जिनश्क्ष जी चारव र्मल्कध्र रठण पिजध्क्ष स्

पध्र र्वच ड्डिका प्रतइ ळजिदज्ञए ड्डिका तज्क्ष्दज्ञ जौंदज्ञ रक्ष ण

पध्र र्वच ड्डिका जाइ जगश्रिदज्ञए ड्डिका ळध्अज्ञ यूीदज्ञ रक्ष ण

पध् र्वच ट्टिका ोिवम् ठफार्दिज्ञए ट्टिका अअक्ष्दज्ञ ूँदज्ञ रक्ष ण

चारक्ष र्वच ज्खठफज्ञ ् ट्टिकाए ठीज्ञ पिठफज्ञ कीदज्ञ रौंदज्ञ रक्ष ण

ळावे कध्य जिळिठ ग्वूज्ञ का कध्य रध् पिय र्जिन चरखे यावध् ग्वूज्ञ की हक्षपा रख्का दाश्री रध् ण रव श्रिम ग्वू कध् हक्षपा.हाउ कध् ठख्मेध् ठिदावध् रठ ण रव श्रिठयाठ दाहक्ध् ग्वू ् जिथ्ध्य किलाज्ख्क र्जिन री दाहकी यावी ज्खूव री जिरइध् र्नमवज्ञ र्जिन हध् मध् तख्दा चध्उका रध् ण दाश्रध् किठ ग्वू कध् ठज्ञ `ध् कध्य र्जिन कतध्.बयाक रख्कध् वग्रिकध् रठण पिय मावठ कध्य की थ्ज्ञों ळत रख्की रध् ण हव चारक्ष पी इध् दाहकीदज्ञ यीरवबीदज्ञ र्जिन श्रिठफज्ञ र्तइज्ञ ् र्वक मवकिदज्ञ रश्श्रिदज्ञ थ्वफज्ञ ग्वू पा पो कध् च्रगठ `श्टका रश्श्रिदज्ञ ज्खर र्यिग र्वच ठाइ ूध्इ इश्नका रध् ण पिजध्ऋ स्

ठा ूध्ऋ ग्रिकक्ष ठा ूध्ऋ ूख्यइूए ठा ूध्ऋ ूख्इज्ञ माद्गी रक्ष ण

ठा किइ कश्द्वल ूतध् ूध्वाए ठा थ्ष्म चरिथें वाद्गी रक्ष ण

चाड जयाइ र्वच कध् चारक्षए रश्व डक्षउी रळ चाद्गी रक्ष ण

हुोूा का ठज्ञ किइ `श्ऋ री इध्का नारीका रध् ण श्रिय र्जिन किलाजध् इश्री मश्री म्ज्ञ ठरीऋ रध् ण पकश्ऋ `म किइ याब ठरीऋ रश्जध्ता ज्ख्य यूध्ऋ `म ळाजध्ऋ श्रिठयाठ प्रिठीदज्ञ ूवद्गी गवूम हख्येमज्ञ हटफ इजध् ज्ख्य का ज्ख्य ् मश्री बाश्रिका ठरीऋ रश्क जाइा ण र्यनध् ूठश्ऋ री हुोूा ठाइ पख्ट मध् जिदमीं ज्ख्य हवुोूा ् हुाहे मव यमका रध्ण पिजध्ऋ चारक्ष पी ठध् मिरा रध् मि किलाजध् पज्ञ ज्खहवश्ऋ मइूज्ञ हटफठ जाइिदज्ञ ् रइक्षका किका रश्श्रिदा श्रिर बवूाश्रिदा रध् स्

पश् ?चाठी मइूज्ञ रव मश्री हटफकाए किइ का हटफका मश्री रक्षण

किइ का मइूा दाथ्म हटफकध्ए मी पाठक रूाव तइश्री रक्ष ण

पज्ञ

हध् हटफ.हटफ श्रिइू रद्वाव मिोचज्ञए दाइू रश्जध् यावध् रक्ष ण

श्रिम रव? श्रिथ्म का ठा हटफ पाक्ठए ळख्इध् बिवठ जिनावध् रक्षण

र्दतध् चारक्ष पी बध्व बवूाज्खऋकध् रठ मि पिठफज्ञ ् र्वच की हैाक रश् तश्री रध्ए ज्खठफज्ञ ् मख्वाठ हटफठ की जी इश्ट ठरीऋ रध्स

पीू.पिठफज्ञ थ्रख दइब मीऋ हाश्रिदाए ज्खर बिव मख्वाठ ठा हटफक्ध् रक्ष ण

p-ISSN: 2348-6848
e-ISSN: 2348-795X
Volume 02 Issue 02
February 2015

रजाइ‹ दे‹ र्छिहकीदज्ञ

1 श्रियइा्र दे‹ यक्षबीजाकए तख्ठज्ञे य्रिगए हचइीमध्‍ठ चिज्‍क्षवशए ह्पाची रूक्ष्ठीजवयिछीए हछिदाइाए ह्ठ‹ 64ए 65

2 यख्इेाठ चारक्ष का दयइ मइा्र पीजठ दे‹ वनठाए यख्ईलक यवर्रकीए इश्मतीॅ हुमाथ्ठए न्रअीतटफए ह्ठ‹ 14ए 19ए 20ए 21ए 22ए 23ए 40ए 41ए 46

3 ह्पाची यारिै का श्रिॅराय दाकि मइा `श्ऋ 1700 श्रीस्ॅमए आण हवर्ूकिव य्रिगए हचइीमध्‍ठ चिज्‍क्षवशए ह्पाची रूक्ष्ठीजवयिछीए हछिदाइाए ह्ठ‹ 54ए 55